

पाठ - 1 प्रकृति का संदेश

A) शब्दों का अर्थ

- 1) ऊँचा
- 2) गहराई
- 3) उठ - उठ
- 4) गिर - गिर
- 5) पृथ्वी
- 6) बिर

B) शब्दों का अर्थ

- 1) पर्वत - पहाड़
- 2) धीर्य - धीरम, बहादुर
- 3) तरंग - पानी की लहर
- 4) मृदुल - कोमल
- 5) संसार - दुनिया
- 6) तरल - द्रव, बहने वाला पदार्थ
- 7) उमंग - उत्साह, भोज
- 8) नभ - आकाश
- 9) शीश - बिर

(C) शीघ्र और बताइए -

1) पर्यंत और सागर हमें क्या सीख देते हैं?

उत्तर पर्यंत हमें जीवन में हमेशा ऊपर उठने की ओर सागर मन में गहराई लाने की सीख देता है।

2) तरल तरंगें मन में भीठी-भीठी भुदुल उमंग भरने के लिए क्यों कह रही हैं?

उत्तर तरल तरंगें मन में भीठी-भीठी भुदुल उमंग भरने के लिए इसलिए कह रही हैं जिससे मन में कीमती और क्या का भाव रहे।

3) 'ठक लो तुम सारा संसार' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर 'ठक लो तुम सारा संसार' से कवि का आशय अपनी प्रसिद्धि की चारों दिशाओं में फैलाने से है।

(D) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) सागर हमसे क्या कहता है?

उत्तर सागर हमसे मन में गहराई लाने के लिए कहता है।

2) पृथ्वी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर पृथ्वी से हमें हमेशा धैर्य से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

3) यह कविता किसने लिखी है?
उत्तर यह कविता श्रीहनूनाम इषियेही ने लिखी है।